यज्ञशाला एवं महाराज सभागार उद्घाटन

दिनांक 7.10.2022

भारतीय संस्कृति की संरक्षण में यज्ञ करने की महिमा शास्त्र में बताई गई है | यज्ञ संपादन हेतु विभिन्न आयामों की आवश्यकता होती है। साथ ही इस महाविद्यालय में चारों वेदों की परंपरा 1852 से प्रचलित है। प्रायोगिक ज्ञान के बिना वेद का ज्ञान अधूरा है प्रतिवर्ष महाविद्यालय के छात्रों को समय-समय पर वेद का प्रायोगिक ज्ञान कराया जाता है। यज्ञ से संबंधित उपकरण भी महाविद्यालय में उपलब्ध है। परंतु यज्ञशाला के अभाव में यह प्रायोगिक कार्यक्रम अधूरा सा रहा है। जिसकी पूर्ति हेतु सन 2015 में वेद विभाग द्वारा कुंड विज्ञान राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों एवं विभिन्न विश्वविद्यालय के आचार्य गण उपस्थित रहे उससे प्रेरित होकर संस्था के प्राचार्य प्रो. भास्कर शर्मा के नेतृत्व में यज्ञशाला का पक्का एवं स्थाई निर्माण हेतु प्रयास किया गया जिसके फल स्वरूप महाविद्यालय में सुसज्जित और समय पर्यंत चलने वाला यज्ञशाला का निर्माण किया गया तथा विभिन्न समय-समय पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी परिचर्चा कार्यशाला आदि का कार्यक्रम होता रहता है। जिसके लिए महाविद्यालय में एक पृथक महासभागार की आवश्यकता थी, जिसकी पूर्ति महाविद्यालय के प्राचार्य एवं NAAC प्रभारी प्रो. शालिनी सक्सेना के नेतृत्व में एक नवीन सभागार का निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन दिनांक 7.10.2022 को विधिवतपूजन हवन के साथ राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला द्वारा किया गया| जिसके मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके गोयल एवं विभिन्न विभाग प्रशासनिक अधिकारी, संस्कृत विद्वानों शिक्षाविदों ,परिसर के छात्रों उपस्थित रहे। विद्वानों का स्वागत संस्था के प्राचार्य प्रोफेसर भास्कर शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शालिनी सक्सेना द्वारा किया गया तथा उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के आचार्य एवं मंत्रालयिक वर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

संयुक्त यक
IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit
College, Jaipur (Raj.) 302015

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
महाराज-सभागार
लोकार्पण - समारोह
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर